अनुक्रमणिका

अ नु क्र म णि का

प्राक्कथन	I - VI
ऋणनिर्देश	VII - IX
अनुक्रमणिका	X - XVI

प्रथम अध्याय – विवेकी राय का साहित्यिक परिचय **1–30**

1.1 विवेकी राय ग्रामांचलिक परिवेश के साहित्यिक

1.2 प्रेमचंद के ग्रामांचलिक साहित्य की अगली कडी के रूप में विवेकी राय का महत्त्व

1.3 विवेकी राय के ग्रामांचलिक साहित्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

1.3.1 विवेकी राय के कहानी साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि

1.3.2 विवेकी राय के कहानी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

1.4 विवेकी राय के साहित्यिक जीवन का आरंभ

1.5 विवेकी राय का साहित्य संसार

1.5.1 काव्य

1.5.1.1 अर्गला

1.5.1.2 रजनीगंधा

1.5.1.3 जनता के पोखरा

1.5.1.4 यह जो है गायत्री

1.5.1.5 दीक्षा

1.5.1.6 लौटकर देखना

1.5.2 उपन्यास

1.5.2.1 बबूल

1.5.2.2 पुरुष पुराण

1.5.2.3 श्वेत पत्र

1.5.2.4 लोकऋण

1.5.2.5 सोना माटी

1.5.2.6 समर शेष है

1.5.2.7 मंगल भवन

1.5.2.8 नमामि ग्राम

1.5.3 निबंध

1.5.3.1 किसानों का देश

1.5.3.2 गाँवों की दुनिया

1.5.3.3 त्रिधारा

1.5.3.4 फिर बैतलवा डाल पर

1.5.3.5 जुलूस रुका है

1.5.3.6 गंवई गंध गुलाब

1.5.3.7 नया गाँवनामा

1.5.3.8 मेरी श्रेष्ठ व्यंग्य रचनाएँ

1.5.3.9 आम रास्ता नहीं हैं

1.5.3.10 गुरु-गृह गचउ पढ़न रघुराई

1.5.3.11 आस्था और चिंतन

1.5.3.12 जगत तपोवन सो कियो

1.5.4 रेखाचित्र

1.5.5 भोजपुरी साहित्य

1.5.5.1 के कहल चुनरी रंगाल

1.5.5.2 गंगा यमुना सरस्वती

1.5.5.3 राम झरोखा बईठ के

1.5.5.4 ओझइति

1.5.5.5 कथुली गाँव

1.5.5.6 भोजपुरी कथा साहित्य के विकास

1.5.5.7 अमंगलहारी

1.6 साहित्यिक सम्मान एवं पुरस्कार

समन्वित निष्कर्ष

द्वितीय अध्याय – विवेकी राय के कहानी साहित्य का संक्षिप्त में परिचयात्मक विवेचन **31–86**

2.1 जीवन–परिधि

2.2 नयी कोयल

2.3 गूँगा जहाज

2.4 बेटे की बिक्री

2.5 कालातीत

2.6 चित्रकूट के घाट पर

समन्वित निष्कर्ष

तृतीय अध्याय – विवेकी राय के विवेच्य कहानी–संग्रहों में ग्रामांचलिक जन–जीवन **87–122**

3.1 विवेकी राय के विवेच्य कहानी–संग्रहों में ग्रामांचलिक जन–जीवन के विविध आयाम

3.1.1 ग्रामांचलिक जन–जीवन में विवाह संबंधी धारणाएँ

3.1.1.1 'नयी कोयल' कहानी–संग्रह की कहानियों में विवाह संबंधी धारणाएँ

3.1.1.2 'कालातीत' कहानी–संग्रह की कहानियों में विवाह संबंधी धारणाएँ

3.1.2 तीज–त्यौहार, उत्सव–पर्व मनाने का उत्साह

3.1.2.1 'नयी कोयल' कहानी–संग्रह की कहानियों में तीज–त्यौहार, उत्सव–पर्व मनाने का उत्साह

3.1.2.2 'कालातीत' कहानी–संग्रह की कहानियों में तीज–त्यौहार, उत्सव–पर्व मनाने का उत्साह

3.1.3 अशिक्षा

3.1.3.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में अशिक्षा

3.1.3.2 'कालातीत' कहानी-संग्रह की कहानियों में अशिक्षा

3.1.4 परंपरा और परिवर्तन के बीच संघर्ष

3.1.4.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में परंपरा और परिवर्तन के बीच संघर्ष

3.1.4.2 'कालातीत' कहानी-संग्रह की कहानियों में परंपरा और परिवर्तन के बीच संघर्ष

3.1.5 नये मूल्यों का उभार

3.1.5.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में नये मूल्यों का उभार

3.1.5.2 'कालातीत' कहानी-संग्रह की कहानियों में नये मूल्यों का उभार

3.1.6 ग्राम विकास योजनाएँ

3.1.6.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में ग्राम विकास योजनाएँ

3.1.6.2 'कालातीत' कहानी-संग्रह की कहानियों में ग्राम विकास योजनाएँ

3.1.7 राजनीतिक गतिविधियों का परिणाम

3.1.7.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में राजनीतिक गतिविधियों का परिणाम

3.1.7.2 'कालातीत' कहानी-संग्रह की कहानियों में राजनीतिक गतिविधियों का परिणाम

3.1.8 अंधविश्वास

3.1.8.1 'नयी कोयल' कहानी संग्रह की कहानियों में अंधविश्वास

3.1.8.2 'कालातीत' कहानी-संग्रह की कहानियों में अंधविश्वास

3.1.9 अभावग्रस्तता

3.1.9.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में अभावग्रस्तता

3.1.9.2 'कालातीत' कहानी-संग्रह की कहानियों में अभावग्रस्तता

चतुर्थ अध्याय – विवेच्य कहानी साहित्य में ग्रामांचलिक जन-जीवन की समस्याएँ 123-162

4.1 राजनीतिक गतिविधियों से उत्पन्न समस्या

4.1.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में राजनीतिक गतिविधियों से उत्पन्न समस्या

4.1.2 'कालातीत' कहानी-संग्रह की कहानियों में राजनीतिक गतिविधियों से उत्पन्न समस्या

4.2 भ्रष्टाचार की समस्या

4.2.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में भ्रष्टाचार की समस्या

4.2.2 'कालातीत' कहानी-संग्रह की कहानियों में भ्रष्टाचार की समस्या

4.3 दरिद्रता की समस्या

4.3.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में दरिद्रता की समस्या

4.3.2 'कालातीत' कहानी-संग्रह की कहानियों में दरिद्रता की समस्या

4.4 जमींदारी शोषण की समस्या

4.4.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में जमींदारी शोषण की समस्या

4.5 दहेज की समस्या

4.5.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में दहेज की समस्या

4.5.2 'कालातीत' कहानी-संग्रह की कहानियों में दहेज की समस्या

4.6 चकबन्दी से उत्पन्न समस्या

4.6.1 'कालातीत' कहानी-संग्रह की कहानियों में चकबन्दी से उत्पन्न समस्या

4.7 पारंपरिक सनातन प्रवृत्तियों से उत्पन्न समस्या

4.7.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में पारंपरिक सनातन प्रवृत्तियों से उत्पन्न समस्या

4.7.2 'कालातीत' कहानी-संग्रह की कहानियों में पारंपरिक सनातन प्रवृत्तियों से उत्पन्न समस्या

4.8 मूल्य टूटन की समस्या

4.8.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में मूल्य टूटन की समस्या.

4.8.2 'कालातीत' कहानी-संग्रह की कहानियों में मूल्य टूटन की समस्या

4.9 नारी शोषण की समस्या

4.9.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में नारी शोषण की समस्या

4.10 यौन संबंधों से उत्पन्न समस्या

4.10.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में यौन संबंधो से उत्पन्न समस्या

4.10.2 'कालातीत' कहानी-संग्रह की कहानियों में यौन संबंधों से उत्पन्न समस्या

4.11 शिक्षा से उत्पन्न समस्या

4.11.1 'नयी कोयल' कहानी-संग्रह की कहानियों में शिक्षा से उत्पन्न समस्या

पंचम अध्याय – समकालीन ग्रामांचलिक कहानी साहित्य में विवेकी राय का योगदान **163–202**

5.1 प्रेमचंद की ग्रामीण कहानियों का संक्षिप्त में परिचय

5.2 प्रेमचंद के बाद के ग्रामीण कथाकारों की कहानियों का संक्षिप्त में परिचय

5.2.1 फणीश्वरनाथ रेणु

5.2.2 भैरवप्रसाद गुप्त

5.2.3 रांगेय राघव

5.2.4 रामदरश मिश्र

5.2.5 गोविंद मिश्र

उपसंहार **203–212**

संदर्भ ग्रंथ सूची **213–217**